Syllabus for Screening test for the post of Masters/Mistress of various subjects.

For The post of Masters/Mistress Difficulty Level of the Questions will be of Graduation Level.

Master / Mistress

हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल

क(i) हिन्दी साहित्य का इतिहास काल विभाजन
~~सीमा निर्धारण और नामकरण~~

(ii) आदि काल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य।

(iii) आदिकाल की मुख्य ~~धर्म~~ प्रवृत्तियाँ और परिस्थितियाँ

ख (i) भक्तिकाल की विभिन्न धाराएँ, परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ।

(ii) संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य — प्रमुख कवि एवं उनका योगदान।

(iii) - रीतिकाल - नामकरण, विभिन्नधाराएँ प्रवृत्तियाँ और परिस्थितियाँ।

प्रमुख कवि :- ~~पृथ्वीराजरासो~~ - चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, रैदास, केशव, जायसी, बिहारी, रहीम, मीराबाई, रसखान।

ख आधुनिक काल : की परिस्थितियाँ, सामान्य प्रवृत्तियाँ।

(i) भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता — प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ एवं विशेषताएँ

(ii) हिन्दी गद्य उद्भव और विकास
- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, आत्मकथा जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा ~~वित्रावृतान्त~~, वृत्तान्त, डायरी आदि

प्रमुख कवि:— भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, महादेवी वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, सुमित्रानंदन पंत, रामधारी सिंह दिनकर। ~~अज्ञेय~~।

प्रमुख कहानीकार:— जयशंकर प्रसाद, मन्नू भंडारी, मुंशी प्रेमचन्द, कृष्णा सोबती, जैनेन्द्र, सुदर्शन, भीष्म साहनी, यशपाल।

प्रमुख निबन्धकार:— आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, महादेवी वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई, रामवृक्ष बेनीपुरी

प्रमुख नाटककार:— जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश, उपेन्द्रनाथ अश्क, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, धर्मवीर भारती।

~~प्रमुख आलोचक:— आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,~~

समीक्षा सिद्धांत

(i) काव्य की परिभाषा तथा भेद महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य की परिभाषा तथा विशेषताएँ।

(ii) गद्य विधाएँ- निबन्ध, संस्मरण, जीवनी तथा आत्म

कथा के स्वरूप एवं तत्वों का सामान्य परिचय

(iii) उपन्यास की परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण

(iv) कहानी की परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण

(v) समीक्षा सिद्धांत केवल नाटक और एकांकी परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण।

व्याकरण :—

भाषा और लिपि

वर्ण विचार

शब्द विचार

वाक्य विचार

व्यावहारिक व्याकरण :—

भाववाचक संज्ञा निर्माण, विशेषण निर्माण, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द, भिन्नार्थक युग्म शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थक शब्द,

मुहावरे और लोकोक्तियाँ

तकनीकी शब्दावली (पारिभाषिक शब्द अंग्रेजी से हिंदी)

अनुवाद (पंजाबी से हिन्दी)

अलंकार :- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, उत्प्रेक्षा।

छंद :- दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया, कवित

देवनागरी लिपि : विकास, गुण, दोष एवं सुधार के उपाय।

संप्रेषण कौशल : निमन्त्रण, विज्ञापन, सूचना लेखन।

पत्र :- औपचारिक एवं अनौपचारिक लेखन

निबन्ध :- साहित्यिक एवं सामाजिक लेखन

सुधा जैन